

Medical Surgical Nursing-I, Video 02

Q. शारीरिक परीक्षण के दौरान उपयोग में लाए जाने वाले उपकरणों की सूची बनाइए।

List down the equipments used during physical examination.

उत्तर- शारीरिक परीक्षण के दौरान प्रयुक्त मुख्य उपकरण निम्नलिखित हैं-

The main equipment used during physical examination are as follows-

1. स्टेथोस्कोप (Stethoscope)
2. ऑफ्थैलमोस्कोप (Ophthalmoscope)
3. ऑटोस्कोप (Otoscope)
4. ट्यूनिंग-फॉर्क्स (Tuning-forks)
5. स्नेलिन एल्फाबेट चार्ट (Snellen alphabet chart)
6. रूई के फोहे (Cotton swab)
7. ओरल थर्मामीटर (Oral thermometer)
8. रक्तचाप मापक उपकरण (B.P. instrument)
9. परकशन हैमर (Percussion hammer)
10. पैन लाइट (Pen light)
11. नापने वाला फीता (Measurement tape)
12. नेजल स्पेकुलम (Nasal speculum)
13. वैजाइनल स्पेकुलम (vaginal speculum)
14. रूलर (Ruler)
15. स्किन फोल्ड कैलीपर (Skin fold caliper)

16. गोनियोमीटर (Goniometer)
17. स्नेहक (Lubricant)
18. मार्कर पेन (Marker-pen) आदि।

प्रश्न स्वास्थ्य आँकलन में नर्स की भूमिका लिखिए?

Write down the role of nurse in health assessment.

उत्तर :- यह शारीरिक परीक्षण करके और रोगी के स्वास्थ्य इतिहास की जाँच करके स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन है।

एक रोगी की स्थिति के बारे में जानने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रिया।

It is an evaluation of the health condition by performing a physical examination and checking the health history of the patient.

A procedure used to learn about a patient's condition.

उत्तर- स्वास्थ्य आँकलन में नर्स की भूमिका निम्नलिखित होती है-

1. रोगी का कमरा पूर्ण रूप से ventilated करती है।
2. परीक्षण के दौरान रोगी की drapping करती है।
3. परीक्षण के दौरान एकांत बनाए रखती है।
4. परीक्षण के दौरान नर्स रोगी के साथ रहती है।
5. परीक्षण के लिए रोगी को तैयार करती है।
6. रोगी को आरामदायक स्थिति प्रदान करती है।

The role of the nurse in health assessment is as follows-

1. Keeps the patient's room fully ventilated.

2. Drapes the patient during the test.
3. Maintains privacy during the test.
4. The nurse stays with the patient during the test.
5. Prepares the patient for the test.
6. Provides a comfortable position to the patient.

Q. प्रवाह को परिभाषित कीजिए एवं उसके प्रकारों और कारणों को समझाइए।

Define inflammation and explain its types and causes.

उत्तर- प्रदाह (Inflammation)

यह जीवित ऊतकों की किसी चोट या संक्रमण के दौरान होने वाली स्थानीय प्रतिक्रिया है जो कि सुरक्षात्मक प्रकृति की होती है।

शरीर के विभिन्न अंगों में होने वाली प्रदाही स्थितियों को अनुलग्न (suffix) - आइटिस (-itis) जोड़कर लिखा जाता है-

जैसे- ब्रोंकाई (bronchi) + आइटिस (itis) ब्रोंकाइटिस (Bronchitis) अर्थात् inflammation of bronchi

सरविक्स (cervix) + आइटिस (itis) सरविसाइटिस (Cervicitis) अर्थात् inflammation of

cervix

It is of protective nature.

Inflammatory conditions occurring in different parts of the body are written by adding suffix -itis-

For example- bronchi + itis Bronchitis means inflammation of bronchi

cervix + itis means inflammation of cervicitis

प्रदाह के प्रकार (Types of Inflammation) - प्रदाह मुख्यतः दो प्रकार का होता है-

The inflammation is mainly two types-

1. तीव्र प्रदाह (Acute Inflammation)

2. दीर्घकालीन प्रदाह (Chronic Inflammation)

1. तीव्र प्रदाह (Acute Inflammation)

इसके अन्तर्गत होने वाली प्रतिक्रिया अल्पकालीन (short duration) होती है। इसकी अवधि कुछ दिनों से लेकर कुछ सप्ताह तक हो सकती है।

The reaction that occurs under this is of short duration. Its duration can range from a few days to a few weeks.

2. दीर्घकालीन प्रदाह (Chronic inflammation)

यदि तीव्र प्रदाह की प्रक्रिया के दौरान प्रदाह का कारक जैसे संक्रामक सूक्ष्म जीव (pathogen) उस स्थान से नहीं हट पाता है तथा क्षतिग्रस्त ऊतकों का प्रतिस्थापन नए स्वस्थ ऊतकों द्वारा नहीं हो पाता है तो यह दीर्घकालीन प्रदाह (chronic inflammation) का रूप ले लेता है, अतः यह दीर्घकालीन प्रदाह कहलाता है।

इसके अन्तर्गत होने वाली प्रक्रिया अधिक अवधि की होती है तथा इसमें क्षतिग्रस्त ऊतकों (damaged tissues) की मात्रा भी तुलनात्मक अधिक होती है।

If during the process of acute inflammation the agent of inflammation such as infectious microbe (pathogen) is not removed from that place and the damaged tissues are not replaced by new healthy tissues then it takes the form of chronic inflammation, hence it is called chronic inflammation.

The process occurring under this is of longer duration and the amount of damaged tissues is also comparatively more.

इसके लक्षण कुछ महीनों से लेकर वर्षों तक मौजूद रहते हैं।

Its symptoms last from a few months to years.

प्रदाह के कारण (Causes of Inflammation) प्रदाह के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं-

The main reasons for inflammation are:

1. संक्रमण (Infection)
2. जीवाणु, वायरस एवं कवक (Bacteria, virus and fungi)
3. चोट लगना (Injury or trauma)
4. एलर्जी (Allergy)
5. जलना (Burn)
6. विकिरण के सम्पर्क में आना (Exposure to radiation)
7. एक्स-रे के सम्पर्क में आना (Exposure to x-ray)